I J R S S I S, Spl Issue (III), July-2020 : 65-67
A Double-Blind Peer Reviewed Journal
OPEN ACCESS
e-ISSN 2347 – 8268 & 2347-8209 (P)
Original Article

INTERNATIONAL JOURNAL OF RESEARCHES IN SOCIAL SCIENCE AND INFORMATION STUDIES

© VMS RESEARCH FOUNDATION www.ijrssis.in

प्रवासी मजदूर समस्या : आत्मनिर्भर भारत अभियान

G. M. Kadhav*
Mahatma Gandhi College, Armori, Dist. Gadchiroli
*Corresponding Author: gajendrakadhav@gmail.com

सारांश:

कोविड-१९ के प्रादुर्भावसे संपूर्ण विश्व झुज रहा है, विश्वमे जो देश शक्तिशाली है ओ देश भी कोविड-१९ के प्रादुर्भावसे परीशान है। जागतिक आरोग्य संस्थाने इस बिमारीको जागतिक महामारी घोषित कि है, भारत देशमेभी कोविड-१९ का प्रदुर्भाव काफी बढ रहा है। कोविड-१९ के संसर्ग एवम पादुर्भाव कम करनेके लिये भारतने चार बार देशमे लाकडाऊन घोषित किया है। फिरभी देशमे कोविड-१९ के प्रादुर्भाव बढ रहा है, इस लाकडाऊन का सबसे बडा प्रभाव किसान , मजदूर, रस्तेपर काम करनेवाले और जो लोग कामके शोधमें अपना गाव शोडकर दुसरे जिल्हेमे दुसरे राज्यमे गये है इनपर पदा है। लाकडाऊनके कारण मजदूर जो दररोज की मेहनत करके अपना जीवननिर्वाह करता था, ओ जहा काम करणे गया है वहा फस गये। लाकडाऊनके कारण सभी मजदुरोका रोजगार चला गया है, उनके पास पैसा और खाणेपिणेकी सामग्री नही बची है, इसीलिये ये मजदूर अपने गावं मे स्थलांतर कर रहे है। जो साधन मिला उससे ये मजदूर अपने गाव जा रहे है, जीन मजदूर को कोई साधन नही मिला ओ पैदल चलके प्रवास कर रहा। बहुत मजदुरोन्का पैदल चलके अपघात भी हो रहे है, कुचं मजदुरकी रस्तेमेही पैदल चलते चलते मौत हो गयी। ऐसा भविष्यमे होणा नही चाहिये एसिलीये अभिसेही प्रवासी मजदुरकी समस्याओपर चिंतन , मनन होना चाहिये भाविष्यमे ऐसा ना हो एसिलीये भारत देश को आत्मनिर्भर बनाना जजुरी है। जो मजदूर कामके लिये अपने गावको शोडकर दुसरी तरफ जा रहा है उसे गावमेही अच्छा रोजगार मिला तो ओ मनमेभी अपना गाव शोडकर दुसरी तरफ कामके लिये जानेकी सोचेगाभी नही। एसिलीये देशको आत्मनिर्भर बनाना जरुरी है तभी प्रवासी मजदूर कि समस्या हम हल कर सकते है।

Key words: - कोविड-१९, आत्मनिर्भर, प्रवासीमजदूर.

परिचय :

कोविड-१९ के प्रादुर्भावसे संपूर्ण विश्व झुज रहा है, विश्वमे जो देश शक्तिशाली है ओ देश भी कोविड-१९ के प्रादुर्भावसे परीशान है। जागतिक आरोग्य संस्थाने इस बिमारीको जागतिक महामारी घोषित किया है, इस महामारीसे कैसे छुटकारा पाये इसमे सभी देश चिंतन कर रहे है, क्यू की १९३० में आई हुई आर्थिक मंदिसेही बडी आर्थिक मंदी इस कोरोना महामारीसे आई है। भारत देशमेभी कोविड-१९ का प्रदुर्भाव काफी बढ रहा है। कोविड-१९ के संसर्ग एवम पादुर्भाव कम करनेके लिये भारतने चार बार देशमे लाकडाऊन घोषित किया है। फिरभी देशमे कोविड-१९ के प्रादुर्भाव बढ रहा है। कोविड-१९ के कारण सभी देश प्रमुख रुपसे दो समस्या से झुज रहा है एक आरोग्य समस्या और दुसरी आर्थिक, लेकीन भारत इन दोनो समस्याके अलावा स्थलांतर मजूर कि समस्या काफी चरचेमे रही है, इस लाकडाऊनका सबसे बडा प्रभाव किसान , मजदूर, रस्तेपर काम करनेवाले और जो लोग कामके शोधमें अपना गाव शोडके दुसरे जिल्हेमे दुसरे राज्यमे गये है इनपर पदा है। लाकडाऊनके कारण मजदूर जो दररोजकी मेहनत करके अपना जीवननिर्वाह करता था, वह जहा काम करणे गया है वहा फस गये। लाकडाऊनके कारण सभी मजदुरोका रोजगार चला गया है, उनके पास पैसा और खाणेपिणेकी सामग्री नही बची है, इसीलिये ये मजदूर अपने गावं मे स्थलांतर कर रहे है। जो साधन मिला उससे ये मजदूर अपने गाव जा रहे है, जीन मजदूर को कोई साधन नही मिला ओ पैदल चलके स्थलांतर कर रहा। बहुत मजदुरोन्का पैदल चलके अपघात भी हो रहे है, कुचं मजदुरकी रस्तेमेही पैदल चलते चलते मौत हो गयी। इस महामारीसे मजदूर ही नही सभी व्यावसायिक, मालक वर्गके लोग भी परीशान है, भारत में सभी उद्योग १०० प्रतिशत बंद है इसी कारण सभी वर्गके लोग आर्थिक संकट से झुज रहे है, ऐसा भविष्यमे भारत में नही होणा चाहिये एसिलीये अभिसेही स्थलांतरित मजदुरकी समस्याओपर चिंतन , मनन होणा चाहिये भाविष्यमे ऐसा ना हो एसिलीये भारत देश को आत्मनिर्भर बनाना जजुरी है। जो मजदूर आर्थिक काम करने लिये

अपने गावको शोडकर दुसरी तरफ जा रहा है उसे गावमेही अच्छा रोजगार मिला तो ओ मनमेभी अपना गाव शोडकर दुसरी तरफ कामके लिये जानेकी सोचेगाभी नही। एसिलीये देशको आत्मनिर्भर बनाना जरुरी है तभी स्थलांतरित मजदूर कि समस्या हम हल कर सकते है।

राहत पैकेज : इंटरनॉशनल मॉनेटरी फंड इस जागतिक संस्थाकेअनुसार कोविड-19 महामारी संकट से लढनेके लिये विश्व में कुल ३४२ लाख कोटी रुपयोका कोरोना पैकेज घोषित किया गया। पुरे विश्व में जपानका राहत पैकेज सबसे अधिक है।

जपान: जपानके पंतप्रधान शिंजो आबे इनोनेभी १०८ ट्रीलियन येनका कोरोना पैकेज जाहीर किया वह उनके कुल जी.डी.पी.का २१.१ प्रतिशत है। लॉकडॉऊन में जीन लोगोंका रोजगार चला गया है उन्हके परिवार के हर सदस्य को ७० हजार २५० रुपये(१ लाख येन) सहाय्यता निधी दि जा रही है। साथमे १ लाख ४० हजार रुपयोका बिनव्याजी कर्ज भी दिया जा राहा है।

अमेरिका : अमेरीकाके राष्ट्राध्यक्ष डोनाल्ड ट्रम्प इनोने अमेरीकाका इतिहास का सबसे बडा राहत पैकेज २२८ लाख कोटी रुपये (३ ट्रीलीयन डॉलर) इतना कोरोन पैकेज घोषित किया, यह मूल्य उनके कुल जी.डी.पी.का १३ प्रतिशत है। लॉकडॉऊन में जीन लोगोंका रोजगार चला गया है उन्हके परिवार के हर सदस्य को ९१ हजार रुपये सहाय्यता निधी दि जा रही है।

इटली : कोरोना विषाणू का सबसे अधिक प्रादुर्भाव इटली पे पडा है, कोविड-19 महामारी संकट से लढनेके लिये इटलीके पंतप्रधान जीसापे कॉम्ते इन्होने अभीतक ६२ लाख १० हजार ७५० कोटी रुपयोन्का (७५० बिलियन युरो) राहत पैकेज घोषित किया है, यह पैकेज उनके कुल जी.डी.पी.का ५० प्रतिशत है। इस राहत पैकेजमेसे ५० प्रतिशत हिस्सा देशमे उद्योग बढानेपर और ५० प्रतिशत हिस्सा निर्यात बढानेके लिये खर्च किया जायेगा।

भारत : कोविड-19 महामारी संकट को अवसर में बदलने के लिए हमारे माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने दिनांक 12 मई 2020 को राष्ट्र को संबोधित करते हुए एक मदत पैकेज और आत्मनिर्भर भारत अभियान की घोषणा की है, कोविड-19 महामारी संकट से लड़ने में आत्मनिर्भर भारत अभियान निश्चित रूप से एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा और भारत को विश्व मी नयी पहचान बनानेमे काफी मदतगार ठरेगा | हमारे माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने राहत पैकेज जो की आत्मनिर्भर भारत अभियान है इसके अंतर्गत केंद्र सरकार द्वारा 20 लाख करोड़ रुपए जो देश की जीडीपी का लगभग 10% है इतना राहत पैकेज घोषित किया है | कोरोना महामारी के कारण पूरे देश के संचारबंदी की स्थिति चल रही है जिसका सबसे ज्यादा बुरा असर देश के सुक्ष्म, लघु तथा मध्यम उद्योगों , श्रमिकों ,मजदूरों और किसानो पर पड़ रहा है, इन सभी नागरिको को लाभ पहुंचाने के लिए हमारे देश के प्रधानमंत्री जी ने देश के सुक्ष्म, लघु तथा मध्यम उद्योगों , श्रमिकों ,मजदूरों और किसानो को आत्मनिर्भर बनाने के लिए आर्थिक पैकेज का ऐलान कर दिया | इस योजना के अंतर्गत सुक्ष्म, लघु तथा मध्यम उद्योगों , श्रमिकों ,मजदूरों और किसानो को इन सभी लाभार्थियों को सबसे बड़ी सहायता राशी आर्थिक पैकेज के रूप प्रदान की जाएगी | केंद्र सरकार की इस मदद से भारत देश एक नई ऊचाई की तरफ जायेगा।

आत्मनिर्भर भारत अभियान का उद्देश

- कोविड-19 महामारी संकट का सामना करते हुए नए संकल्प के साथ देश को विकास के नए दौर में ले जाने के लिए देश के सुक्ष्म, लघु तथा मध्यम उद्योगों , श्रमिकों ,मजदूरों और किसानो को एक साथ जोड़ा जाएगा और देश को विकास यात्रा की एक नई गति प्रदान की जाएगी।

- आत्मनिर्भर भारत अभियान के अंतर्गत देश के मजदूर ,श्रमिक, किसान ,लघु उद्योग, मध्यमवर्गीय उद्योग और कुटीर उद्योग से जुडे सभी लोगो पर विशेष ध्यान अथवा बल दिया जाएगा यह राहत पैकेज इन सभी उद्योगोंमे कामकर रहे लोगोंको 20 लाख करोड़ की सहायता कि जायेगी , जो भारत के एक नागरिक की आजीविका का साधन है।
- आत्मनिर्भर भारत अभियान का राहत पैकेज देश के उत्तरी श्रमिक व्यक्ति के लिए है जो हर स्थिति में देशवासियों के लिए परीक्षण करता है और देश को बुलंदी की ओर अग्रसर करता है

आत्मनिर्भर भारत अभियान के लाभार्थी

आत्मनिर्भर भारत अभियान का राहत पैकेज देश का गरीब नागरिक, श्रमिक, मछुआरे, पशुपालक, प्रवासी मजदूर, संगठित क्षेत्र व असंगठित क्षेत्र के व्यक्ति, छोटे काश्तकार, कुटीर उद्योग,संगठित क्षेत्र व असंगठित क्षेत्र के व्यक्ति,काश्तकार,कुटीर उद्योग,लघु उद्योग.मध्यमवर्गीय उद्योग मे कार्यरत लोगोंको मिलेगा।

भारत को आत्मनिर्भर बनानेके लिये कुछ सुझाव

- आत्मनिर्भर भारत अभियान के अंतर्गत दिया हुवा राहत पैकेज को सही तरीके से वितरीत करना।
- कोरोना महामारी को लेकर जिम्मेदार चीन का विश्व के सभी देश में विरोध हो रहा, कोई भी देश चिन के साथ उद्योग, निवेश करना इच्छुक नही है यह भारत के लिये एक मौका है, भारतने उन सभी देश को अपने देशमे निवेश करनेके लिये अपना एक विकल्प देना चाहिये और देश कि अर्थव्यवस्था गतिमान करना चाहिये।
- कोरोना महामारीके कारण प्रवासी मजदूर काफी चिंतीत है, उन्हके मनमे सकारात्मकता एवं आत्मविश्वास पैदा करना आवश्यक है।
- आत्मनिर्भर भारत अभियान के अंतर्गत कृषी एवं जनजाती क्षेत्र में निवेश एवं रोजगार के मौके बढाना चाहिये।
- भारत में स्वदेशी उद्योग को प्रोत्साहन देना चाहिये।

निष्कर्ष

मनुष्य को जीवन में दूसरों पर भरोसा न करके खुद आत्म निर्भर और आत्म विश्वासी होना चाहिए। आत्मनिर्भरता,स्वयमपूर्णता ए प्राचीन भारत कि प्रमुख विशेषता है, प्राचीन काल से हि भारत आत्मनिर्भरता,स्वयमपूर्ण है, इसीलिये आत्मनिर्भर अभियान के माध्यमसे हमरा देश आत्मनिर्भर हो जाएंगा तथा जीवन की दौड़ में सफलता के कीर्तिमान स्थापित करेंगे, क्यु की कोरना महामारी के कारण विश्व के सभी देश के उद्योग बंद है इसमे बडे और लघु सभी उद्योग शामील है उन सभी देश की अर्थव्यवस्था बिघडी हुई है, इसिलीये भारत को इसीका फायदा लेकर देशकी अर्थव्यवस्था बढानेकी संधी है।

संदर्भ:

अग्रवाल जी . के. : सामाजिक समस्याऐं, एस. बी पी.डी. पब्लिशिंग हाउस, आग्रा(यु.पी.)

अहुजा राम : सोसिअल प्राब्लेम इन इंडिया, रावत पब्लिकेशन्स, जयपूर

शंकरराव सी.एन : इंडिअन सोसीअल प्राब्लेम : अ सोसिओलाजीकल परस्पेक्टीव , एस. चंद पब्लिकेशन्स, दिल्ली

अग्रवाल जी . के.: भारतीय समाज : मुद्दे एवं समस्याऐं, एस.बी पी.डी. पब्लिशिंग हाउस, आग्रा(यु.पी.)

कुमार डी. : इकोनोमी & सोसिअल इशुस इन इंडिया, रमेश पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली

वर्तमान पत्र, इंटरनेट स्रोत "https://pmmodiyojana.in/kisan-samman-nidhi-yojana-list/